हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UTTHIN/2010/33441

भारत की कलम

Visit us on : www.bkknews.in

डाक पंजीयन संख्याः यूए/डीओ/देहरादून-547/2010-2012

वर्ष ११ अंक २१ हरिद्वार, सोमवार १९ जुलाई २०२१ मूल्य १ रुपया पृष्ठ ४

मुख्यमंत्री ने किया "पंचम राष्ट्रीय ई-चिंतन सत्र" में प्रतिभाग

- वर्चुअल चिंतन सत्र में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने "हमारी विदेश नीति और उपलब्धियाँ" विषय पर किया सम्बोधित
- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया ने भारत की क्षमताओं को पहचानाः एस जयशंकर

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने "पंचम राष्ट्रीय ई-चिंतन सत्र" में प्रतिभाग किया। इस वर्चुअल चिंतन सत्र में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने "हमारी विदेश नीति और उपलब्धियाँ" विषय पर सम्बोधित किया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पिछले वर्षों में भारतीय विदेश नीति में आए बदलावों और इसके प्रभाव की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया ने भारत की क्षमताओं को पहचाना है और माना भी है। भारत की छवि अब केवल मार्केट की नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र की बनी है जोकि न केवल स्वाभिमान के साथ अपनी सुरक्षा में सक्षम है बल्कि अन्य देशों की मदद को भी तत्पर है। बड़े देशों के साथ समानता के आधार पर साझेदारी बनी है। दुनिया ने नये भारत की नयी डिप्लोमेसी देखी है। भारतीय संस्कृति को ग्लोबल स्तर पर ले जाने में सफलता मिली है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इसका उदाहरण है।

क्लाईमेट चेंज, आतंकवाद, काला धन पर मजबूती से जरूरी कार्रवाई करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ तैयार किया है। कोविड के दौरान भारत की छवि स्वयं के साथ दुनिया का ख्याल रखने वाले देश की बनी है। चीन के साथ गतिरोध के समय हमारी प्रतिक्रिया से दुनिया समझ गयी है कि भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी विदेश नीति में दूसरे देशों में रह रहे भारतीयों की चिंता भी रखी गई है। बाहर जाने वाले हमारे छात्रों, कामगारों, पर्यटकों, व्यवसायियों के हितों की रक्षा की गई है। भारतीय दूतावासों के माइन्डसेट में परिवर्तन आया है। पासपोर्ट और वीजा की प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। भारत की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संगठनों में प्रभावशाली भूमिका बढ़ी है। भारत अनेक प्रोजेक्टों के माध्यम से पडोसी देशों की प्रगति में सहायता कर रहा है। इस वर्चुअल चिंतन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री व अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

'ऋषिकेश एम्स' को मिली मंजूरी, कैशलेस आधार पर मिल सकेगी स्वास्थ्य सुविधा

संजय भारती

हरिद्वार। मंडल रेल प्रबंधक, मुरादाबाद के सफल निर्देशन में भारतीय रेल स्वास्थ्य सेवाओं (आई.आर.एच.एस) उ0 रे0 द्वारा मुरादाबाद मंडल एवं समस्त रेलवे कर्मचारियों व लाभार्थियो को अत्याधुनिक एवं उत्कृष्ट स्वास्थय सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रयासों में एक अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त की गयी है। इस उपलब्धि को प्राप्त करने का श्रेय मुख्य चिकत्सा अधीक्षक- मुरादाबाद मंडल, डॉक्टर जगदीश चंद्रा, एवं प्रोफेसर रविकांत निर्देशक एम्स ऋषिकेश को जाता है। जिनके कठिन प्रयासों के कारण दिनांक 17.07.2021 को इस करार समझोते पर हस्ताक्षर किये गए। तथा रेलवे लाभार्थियों के लिए कैशलेस आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं का सुभारम्भ किया। अब मुरादाबाद मंडल के रेलवे लाभार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की समस्त जटिल नियमित एवं आकस्मिक स्वास्थय सेवाएं 24X7 उपलब्ध होंगी। व रेलवे खर्च के चिकत्सा मद में भी बचत सुनश्चित होगी। निश्चित ही ये कदम रेलवे लाभार्थियों मुख्यतः हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून निवासियो को सुविधा प्रदान करेगा। हरिद्वार, देहरादून व ऋषिकेश (मुरादाबाद मंडल के सभी रेलवे कर्मचारियों के लिए) के रेलवे कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अब कही बहार नही जाना पड़ेगा बल्कि अपने ही राज्य उत्तराखंड में कैशलेस के आधार पर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। एवं रेलवे कर्मचारियों के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारतीय रेल स्वास्थय सेवाओ का एक महतवपूर्ण योगदान है।

कोविड़ गाईड लाइन के अनुरूप ही मनाया जाए बकर ईद का पर्व

कोटद्वार। मुस्लिम पर्व बकर ईद को मद्देनजर रखते हुए आज तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी ने बैठक आयोजित की गई।

जिसमें पुलिस सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिसमें उपजिलाधिकारी ने कोविड १९ की तीसरी लहर को देखते कोविड नियमों के अनुसार बकर ईद मनाई जाएगी, जिसका प्रशासन सख्ती से पालन कराएगा। इस दौरान उपजिलाधिकारी ने बताया कि मस्जिदों के प्रभारियों को निर्देशित कर दिया गया है। कि कोविड़ गाईड लाइन के अनुरूप ही यह पर्व मनाया जाय। बकर ईद त्याग बलिदान भाईचारा ओर शांति का पर्व है।

कांग्रेस का भाजपा के खिलाफ कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन

कांग्रेसियों का पैदल मार्च पुल जटवाड़ा पर हुआ सम्पन्न

हरिद्वार(संवाददाता)। महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वधान में आज महंगाई बेरोजगारी व महिलाओं पर लगातार हो रहे अत्याचार के खिलाफ पुल जटवाड़ा से पैदल मार्च कस्साबान होकर रेल पुलिस चौकी से बाजार होते हुए वापस पुल जटवाड़ा पहुंचा। कांग्रेसियों के पैदल मार्च में भारी संख्या में कांग्रेसी नेताओं व कार्यकर्त्ताओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रदेश महासचिव डॉ. संजय पालीवाल ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार केंद्र में आसीन हुई है, महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है, तमाम धरने प्रदर्शन के बाद भी महंगाई पर लगाम नहीं लगी है। पेट्रोल, डीजल, गैस की लगातार कीमतें आसमान छू रही हैं जनता बेहाल है। लेकिन प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी आंख बंद कर देश को चला रहे हैं, इनको सबक सिखाने का समय आ गया है। महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि आज देश को अडानी, अंबानी के अतिरिक्त ओर भी कई ऐसे उद्योगपति जोकि अपरोक्ष रूप से सरकार चला रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन के हाथ की कठपुतली बने हुए हैं। हरिद्वार मेयर अनीता शर्मा ने कहा कि महंगाई ने महिलाओं की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। आज पूरे देश में व प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं, उनका शोषण भाजपा के पदाधिकारी कर रहे हैं। लेकिन केन्द्र व राज्य सरकारे महिलाओं के उत्पीड़न की सुध नहीं ले रही है। महिलाओं पर डबल इंजन की सरकार में शोषण लगातार बढ रहा है। पूर्व राज्य मंत्री हाजी नईम कुरैशी व महापौर प्रतिनिधि अशोक शर्मा व पूर्व राज्यमंत्री मकबूल कुरैशी ने सयुंक्त रूप से कहा कि भाजपा सरकार के समय में तमाम कारखाने बंद हो गए हैं बेरोजगार सड़कों पर घूम रहे हैं। उनके घर में चूल्हे तक नहीं चल रहे हैं इस दमनकारी सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। पैदल मार्च कार्यक्रम चौ. बलजीत सिंह, हाजी रफी खान, कैलाश प्रधान, प्रियव्रत ब्लाक प्रमुख, सतीश कुमार प्रदेश महासचिव, नवेज अंसारी, सुनील सिंह, पार्षद साहबुद्दीन, पार्षद सुहैल कुरैशी, पार्षद तासीन अंसारी, पार्षद इसरार अहमद, पार्षद राजीव भार्गव, पार्षद जफर अब्बासी, पार्षद मेहरबान खान, शाहनवाज कुरेशी, आकाश, बिरला, शिव कुमार जोशो आदि मौजूद रहे।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ का विरोध जारी

हरिद्वार(संवाददाता)। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएँ उत्तराखंड का प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत तीसरे दिन भी काली फीती बांधकर अपना कार्य करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश लखेड़ा, महामन्त्री सुनील अधिकारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश पंत, उपाध्यक्ष नेलसन अरोड़ा, दीपक धवन ,प्रदेश ऑडिटर महेश कुमार ने सभी कर्मचारियों को उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला की शुभकामनाएं दी और सभी कर्मचारियों को आंदोलन को सफल बनाने के लिए अपनी एकता का परिचय इसी तरह जब तक मांग पूरी न हो जाये देते रहने को कहा। कर्मचारियों की मांग पदोन्नति, उद्यान विभाग के माली की भांति टेक्निकल आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वेतन, भत्तों, पेंसन के लिए डीडीओ कोड बहाल किया जाए ,पौष्टिक आहार भत्ता, एक माह का मानदेय, जोखिम भत्ता, इत्यादि के लिए अभी तक किसी भी विभाग की और से द्विपक्षीय वार्ता हेतु या कोई ठोस कार्यवाही का कोई भी आश्वासन नही दिया गया है जोकि अन्यायपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों का आक्रोश कभी भी उग्र हो जाएगा। काली फीती बांध कर विरोधकरने वालों में शिवनारायण सिंह, महेश कुमार, दीपक धवन, राकेश भँवर, जीत सिंह, विजेंदर पाल, छत्रपाल सिंह, अजय कुमार, आशुतोष गैरोला, अरुण, कमल, कामेंद्र, दिनेश नोटियाल, संदीप शर्मा, सचिन, राजेन्द्र तेश्वर, गुलशन, पप्पू, धर्मसिंह, मूलचंद चौधरी, नाथी, दिलबर सत्कारी, प्रवीण सुदामा जोशी, खुशाल मणि, बद्रीप्रसाद, मुकेश, रजनी, संतोष, सुदेश, अनिता, ममता, मुन्नी देवी, मिथलेश, निशा, अशोक, सुरेश, इत्यादि ने विरोध किया।

सम्पादकीय

'धर्म यात्रा पर संक्रमण का ग्रहण'

धर्मनगरी हरिद्वार में हर वर्ष लाखों कावड़ यात्री हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर शिवालयों पर जल चढ़ाते हैं ।लेकिन धर्म की इस यात्रा पर संक्रमण का ग्रहण लग गया है ।एक ओर जहां हरिद्वार में होने वाले सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ मेले के स्वरूप को संक्रमण के ग्रहण ने बदल कर रख दिया था, आज वही एक बार फिर से हरिद्वार में लगने वाले सबसे बड़े मेलों में से एक कांवड़ मेले पर संक्रमण का ग्रहण लग गया है ।क्योंकि वैश्विक महामारी कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए जहां केंद्र सरकार ने बहुत अहम फैसले लिए हैं। वही उत्तराखंड राज्य की सरकार ने भी एक अहम फैसला ले डाला है, और वह फैसला लाखों कावड़ यात्रियों की आस्था से जुड़ा है। क्योंकि कावड़ यात्रा एक ऐसी यात्रा है जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु हरिद्वार हर की पौड़ी पहुंचते हैं, और यहां से गंगाजल लेकर हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके अपने अपने क्षेत्र में बने शिवालयों तक पहुंचते हैं, ऐसी धर्म यात्रा पर आज संक्रमण का ग्रहण लग गया है। राज्य सरकार के फैसले पर हरिद्वार के संतों ने भी मोहर लगा दी है।संतो ने राज्य सरकार के इस निर्णय को स्वीकारते हुए हरिद्वार कावड़ यात्रा में शामिल होने वाले कावड़ यात्रियों से अपील की है कि ,वह इस वर्ष अपनी यात्रा को अपने क्षेत्रों में अपने घरों में रहकर भगवान शिव की आराधना को करें ।लेकिन यहां सवाल उठता है कि आखिर आस्था पर कोई नियम कैसे प्रभावी हो सकता है ।क्योंकि पिछली बार भी कावड़ यात्रा को स्थगित कर दिया गया था। लेकिन उसके बावजूद हरिद्वार के अंदर कई लाख कावड़ यात्री प्रवेश कर गए थे। आज एक बार फिर से कावड़ यात्रा को स्थगित किया गया हैं ।इस विषय पर अभी यह कह पाना नाकाफी साबित होगा की पिछली बार की तरह इस बार भी कावड़ यात्रा स्थगित होने के बाद कावड़ यात्री हरिद्वार के अंदर पहुंच पाते हैं या नहीं ? हालांकि अभी उत्तराखंड की सभी सीमाओं पर बॉर्डर से लगे उत्तर प्रदेश के कई जिलों के पुलिस प्रशासन के अदिकरियो के साथ वार्ताओं का दौर भी चल रहा है। लेकिन इन वार्ताओं के चलते कावड़ यात्रियों को रोक पाना कहां तक सार्थक हो पाता है यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल शासन प्रशासन ने कावड़ यात्रा को लेकर अपनी योजनाएं बना ली है, और अपनी योजनाबद्ध तरीकों से सभी सीमाओं को सील करने की तैयारी भी कर दी है, जिससे कावड़ यात्री उत्तराखंड की सीमाओं में प्रवेश न कर सकें ।दूसरी ओर हरिद्वार का व्यापारी जिसकी उम्मीद की आखिरी किरण कावड़ मेला स्थगित होने के साथ टूट कर चकनाचूर हो गई है ।वो काफी हताश ओर मायूस नजर आ रहा हैं ,क्योंकि व्यापारियों को महाकुंभ से बड़ी उम्मीदें थी, लेकिन महाकुंभ में उनकी सब उम्मीद धरी की धरी रह गई। अब उनकी आस कांवड़ मेले से थी कि कांवड़ मेले में कुछ व्यापार चलेगा लेकिन उत्तराखंड सरकार के फैसले से हरिद्वार का व्यापारी काफी नाराज नजर आ रहा है। क्योंकि कहीं ना कहीं संक्रमण का यह ग्रहण व्यापार पर भी लगा है। कोविड-19 के संक्रमण ने जब से दस्तक दी है तब से अब तक बड़े से बड़े और छोटे से छोटे व्यापारी का व्यापार बंद पड़ा है। जिसके चलते व्यापारी कर्ज के बोझ के तले दबता चला आ रहा हैं ।जिन्हें कहीं से कोई राहत मिलने की उम्मीद अब नजर नहीं आ रही है। माजरा चाहे जो भी हो उत्तराखंड सरकार के द्वारा लिए गए फैसले और संक्रमण का ग्रहण आस्था पर क्या प्रभाव डालता है क्या नहीं यह अब समय बताएगा।

सोशल मीडिया से सड़क पर उतरा भू-कानून का आंदोलन

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड में भू-कानून की मांग लगातार आग पकड़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर आपस मे कनेक्ट हुए बड़ी संख्या में युवाओं ने सड़कों पर उतर कर रविवार को भू-कानून को लेकर बात रखी। भू-कानून की मांग उत्तराखंड में कोई नई मांग नहीं है पिछले लंबे समय से अलग अलग राजनीतिक दलों से जुड़े और समाज सेवा से जुड़े लोगों द्वारा उत्तराखंड में हिमाचल की तर्ज पर भू-कानून को लेकर मांग उड़ती आई है लेकिन इस बार ऐसा क्या है कि दुकानों का मुद्दा केवल राज्य में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यमंत्री से भू कानून को लेकर सवाल किया जाने लगा है। इसका सबसे बड़ा कारण मौजूदा समय में भू-कानून को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे कैंपेन को बताया जा रहा है। वह कानून की मांग पहले भी उठी है लेकिन इस बार सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम फेसबुक और ट्विटर पर युवा बढ़-चढ़कर इस मुहिम में भाग ले रहे हैं एक दूसरे से संवाद स्थापित कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि यह राजनीतिक दलों से नहीं जुड़े हैं बल्कि भू-कानून के मुद्दे पर युवा दिल से जुड़ कर एक दूसरे का साथ दे रहे हैं और यही वजह है कि रविवार को सोशल मीडिया पर ही एक दूसरे से संवाद स्थापित कर बड़ी संख्या में युवा देहरादून की सड़कों पर उतरे थे और अपने हाथों में बैनर पोस्टर लिए भू-कानून की मांग को उन लोगों तक भी पहुंचा रहे थे जोकि सोशल मीडिया से दूर है। रविवार को देहरादून शहर भर में वो कानून को लेकर निकाले गए। इस मार्च को कम्युनिकेट करने वाले तीन युवा हैं जिनका नाम मनीष रतूड़ी, प्रज्वल और पीयूष हैं जिन्होंने भू-कानून के विषय को समझा और इस विषय को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने और साथियों तक भी पहुंचाया और विषय की गंभीरता को देखते हुए सभी युवा इस मुहिम में साथ खड़े हुए। उनका कहना है कि उत्तराखंड को बचाना है यहां की संस्कृति को और उत्तराखंड के अस्तित्व को बचाना है तो भू-कानून पर सबको आगे आकर इस कानून को लागू करवाने के लिए सरकार को मजबूर करना होगा। हालांकि युवाओं को सरकार से भी उम्मीद है कि जल्द सरकार भू-कानून को लेकर एक ठोस निर्णय देगी।

मैं मकान से भी ज्यादा महत्व पेड़ को देता हूं: स्वामी यतीश्वरानंद

हरेला पर्व पर किया वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान

हरिद्वार(संवाददाता)। भाषा, पुनर्गठन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग तथा ग्राम्य विकास मंत्री यतीश्वरानन्द, जिलाधिकारी सी रविशंकर, डीएफओ नीरज कुमार ने पर्यावरण को समर्पित ''हरेला पर्व'' के अवसर पर गंगा वाटिका, हरिद्वार वन प्रभाग, कनखल से वृहद् वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर बोलते हुये कैबिनेट मंत्री यतीश्वरानन्द ने प्राकृतिक वातावरण का उल्लेख करते हुये कहा कि प्रकृति के बीच में रहने का अपना एक अलग ही आनन्द है। जब आप पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, तो उस समय मन को काफी सुकून मिलता है। मैं मकान से भी ज्यादा महत्व पेड़ को देता हूं। इसीलिये मैं मकान बनाने से पहले पेड़ लगाता हूं। उन्होंने कहा कि हमें केवल पेड़ लगाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिये, बल्कि उस पेड़ की पूरी देखभाल व जिम्मेदारी भी लेनी चाहिये, तभी वह पेड़ पुष्पित व पल्लवित होगा। उन्होंने संस्थाओं व लोगों से अधिक से अधिक मात्रा में वृक्ष लगाने का आहवान किया। जिलाधिकारी सी रविशकर ने कहा कि हमने हरेला पर्व से सम्पूर्ण जनपद में पूरे जुलाई माह में वृक्ष लगाने की योजना बनाई है। वृक्षारोपण अभियान को पूरे योजनाबद्ध ढंग से चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत ऐसी जगहों-स्मृति वन, कार्यालय परिसर तथा जहां पर ट्री गार्ड की व्यवस्था होगी, को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि तटबन्धों के आसपास भी पेड़ पेड़ लगाने की हमारी योजना है, जो हमें बाढ़ जैसी आपदाओं को कम करने में मदद कर सकता है। डीएफओ नीरज कुमार ने कहा कि वृक्षों के महत्व से हम सभी परिचित हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हमारी कथनी और करनी में अन्तर नहीं होना चाहिये। अगर हम मन में पेड़ लगाने के बारे में सोचते हैं, तो उसे हमें धरातल पर उतारना भी होगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने के साथ ही उसके संरक्षण पर भी ध्यान देने को कहा। इस अवसर पर बीइंग भागीरथ संस्था द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के उत्साहवर्द्धन के लिये पुरस्कार भी बांटे गये। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन के स्वामी दयाधीपानंद जी, बीइंग भागीरथ के शिखर पालीवाल सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हरेला पर्व खुशहाली, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य, धनधान्य एवं हरियाली का प्रतीक है। ऋग्वेद में कृषि कणत्व अर्थात खेती करो के तहत हरेले का उल्लेख है। हरेला पर्व पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। इस पर्व से मौसम को पौधारोपण के लिये उपयुक्त माना जाता है।

हरेला पर्व पर किया पर्वतीय मंच ने वृक्षारोपण

हरिद्वार(संवाददाता)। उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला पर हमारा पर्वतीय मंच की और से हरिद्वार हाइवे पर वृक्षारोपण किया और पूरे प्रदेश में हरियाली का संदेश दिया। इस अवसर पर मंच की संयोजक हेमा भण्डारी ने कहा कि आज हरेला पर्व पूरे प्रदेश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, हमारे पूर्वज हरेला पर्व के रूप में पर्यावरण संरक्षण का महान संदेश दे गए। इसी परंपरा को आगे आगे बढ़ाते हुए देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वे अपनी आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ्य वातारवरण प्रदान करे। अनिल सती ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड का लोकपर्व है इस पर्व के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने प्रकर्ति संरक्षण का संदेश पूरे विश्व दिया है। प्रदेश का 70 प्रतिशत भूभाग वनों से ढका हुआ है। आज कोरोना वैश्विक महामारी की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा दिक्कत ऑक्सीजन की रही है। इसका प्रमुख कारण अंधाधुंध पेड़ो का कटान है। हमे अपनी संस्कृति और विरासत को संजोय रखना है और आने वाली पीढ़ी को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करना है इसके लिए वृक्ष बेहद आवश्यक है। संस्था के संयोजक दिनेश चंद सकलानी के कहा कि आज हमारा पर्वतीय मंच द्वारा हरेला पर्व पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया हमारा उद्देश्य मात्र पेड़ लगाना नही बल्कि उनको संरक्षण प्रदान करना भी है। इसके लिए हमारी संस्था के सदस्य हर हफ्ते जाकर लगाए गए पेड़ो को देखेंगे, आने वाले समय मे हमारी संस्था पूरे प्रदेश में अभियान चलाएगी। इस अवसर पर हेमा भण्डारी, अनिल सती, दिनेशचंद्र सकलानी, शंभु प्रसाद पुरोहित, अर्जून सिंह, तनुज शर्मा, बॉबी कश्यप, दानिश मुख्य रूप से मौजूद रहे।

विधान सभा चुनाव में दूसरे दलों से भिड़ने के पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह व नवजोत सिंह सिद्धू की आपसी भिड़ंत कहाँ पहुचेगी

अशोक भाटिया

राजनीति का जानकारी रखने वाले पाठको को याद होगा कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा पर अड़ गए थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान को खुली चुनौती देते हुए पार्टी छोड़ने की भी धमकी दे दी थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने उस समय अमरिंदर सिंह को मना लिया था कि वे अगली बार सीएम पद के लिए आगे नहीं आएंगे । लेकिन, सत्ता चीज ही ऐसी है कि तमाम वादे और नियम-कायदे टूट जाते हैं। यही वजह रही कि बीते चार सालों में नवजोत सिंह सिद्धू के अमरिंदर सिंह के खिलाफ मुखर होने के मामले पर कांग्रेस आलाकमान ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। वहीं, पंजाब में उपजे विवाद को खत्म करने के लिए बनाई गई कांग्रेस आलाकमान की तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के निष्कर्ष भी कैप्टन के खिलाफ बगावत में बारूद भरने के लिए ही नजर आते हैं।

माना जा रहा था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खडगे के नेतृत्व वाली इस समिति ने सोनिया गांधी को जो रिपोर्ट सौंपी थी। उसमें नवजोत सिंह सिद्धू को एक सम्मानजनक पद के साथ कैप्टन सरकार में वापसी कराने की वकालत की गई थी।समिति ने अमरिंदर सिंह को भी ताकीद कर दी थी कि कांग्रेस आलाकमान उनके इस अड़ियल रवैये से बिल्कुल भी खुश नहीं है। समिति ने कैप्टन को सिद्धू के साथ मतभेदों को भूलकर आगे बढ़ने की सलाह भी दी थी. लेकिन, अमरिंदर सिंह इसके लिए तैयार नहीं दिखे थे. वहीं, इससे उलट कैप्टन ने लंच डिप्लोमेसी के जरिये कांग्रेस आलाकमान के आगे अपना शक्ति प्रदर्शन कर सीएम पद के अपने दावे को और पुख्ता कर दिया. इसके साथ ही अमरिंदर सिंह ने शीर्ष नेतृत्व तक ये भी संदेश पहुंचाने की कोशिश की कि वह अपने स्टैंड पर झुकेंगे नहीं।करीब एक सप्ताह पहले नवजोत सिंह सिद्धू राहुल गांधी से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। जिसके बाद राहुल गांधी की ओर से कहा गया था कि सिद्धू के साथ उनकी मुलाकात तय नहीं है। इसी बीच सिद्धू के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा तारणहार बनकर उभरी. प्रियंका गांधी केवल नवजोत सिंह सिद्धू मिली ही नहीं।

उन्होंने सिद्धू और राहुल के बीच मुलाकात कराने के लिए सोनिया गांधी के निवास से लेकर राहुल गांधी के घर तक कई चक्कर लगाए ।आखिर में प्रियंका गांधी को कामयाबी भी मिली और राहुल गांधी ने सिद्धू के साथ एक श्लंबी मुलाकातश की. प्रियंका गांधी इन दिनों कांग्रेस में झगड़ों को सुलझाने में काफी एक्टिव नजर आ रही हैं।नवजोत सिंह सिद्धू भी अपने कई इंटरव्यू में पहले भी कह चुके हैं कि कांग्रेस में उनकी एंट्री की वजह प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ही है। अमरिंदर सिंह पर हमलावर रहे सिद्धू हमेशा ही कहते नजर आए हैं कि सबको पता है, उनके श्बॉसश कौन हैं?

वहीं, सोनिया गांधी के साथ हालिया मुलाकात को छोड़ दें, तो कैप्टन अमरिंदर सिंह केवल कांग्रेस की तीन सदस्यीय समिति से ही मिले हैं। खैर, कांग्रेस की इस समिति से मिलना अमरिंदर सिंह की मजबूरी भी कहा जा सकता है. कांग्रेस में अपनी बात खुलकर रखने के लिए उन्हें भी एक मंच की जरूरत थी। जहां से उनकी आवाज शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सके. दरअसल, हाल-फिलहाल तक तो सोनिया गांधी के दरवाजे भी कैप्टन के लिए बंद ही थे। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने पहले ही अमरिंदर सिंह से दूरी बना रखी है. ये स्थिति काफी चौंकाने वाले है कि अपने ही राज्य के एक सीएम से मुलाकातों का दौर पर कांग्रेस में काफी हद तक एकतरफा ही रहा। खैर, ये कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस के श्नए शीर्ष नेतृत्वश में अमरिंदर सिंह से ज्यादा नवजोत सिंह सिद्धू की पकड़ मजबूत है।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पंजाब में कांग्रेस के पास कैप्टन अमरिंदर सिंह के कद का कोई नेता नहीं है। यही वजह है कि कांग्रेस 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कैप्टन के दम पर ही चुनावी मैदान में जाना चाहती है ।लेकिन, इसके लिए वह सिद्धू की कुर्बानी देने को तैयार नहीं है. राहुल और प्रियंका गांधी मान चुके हैं कि पंजाब में कांग्रेस के भविष्य के नेता नवजोत सिंह सिद्धू ही होंगे।खैर, एक राजनीतिक दल के लिहाज से कांग्रेस की ये सोच जायज भी नजर आती है. लेकिन, कांग्रेस नेतृत्व इस कोशिश पर ज्यादा जोर दे रहा है कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी तरह से विवाद का हल निकल जाए. माना जा रहा है कि कैप्टन को भरोसे में लेकर सिद्धू को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू की अहमियत का अंदाजा आप नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान से लगाया जा सकता है।पंजाब के अपने हालिया दौरे पर सिद्धू को लेकर पूछे गए एक सवाल पर अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि मैं उनका सम्मान करता हूं। दरअसल, नवजोत सिंह सिद्धू खुले तौर पर कह चुके हैं कि वह पंजाब की ही राजनीति करेंगे। वहीं, कांग्रेस में अमरिंदर सिंह के बाद अगर कोई लोकप्रिय नेता है, तो वह नवजोत सिंह सिद्धू ही हैं ।करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर सिद्धू के एक्टिव होने से उन्होंने पंजाब में अपनी एक अलग फॉलोइंग भी डेवलप कर ली है ।सिख समुदाय में कैप्टन की लोकप्रियता के मुकाबले कम ही सही, लेकिन सिद्धू भी कुछ हिस्सा शेयर करते हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया टुडे के एक सर्वे के मुताबिक, पंजाब में अमरिंदर सिंह को 32 फीसदी लोगों ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पहली पसंद बताया था। इस लिस्ट में सिद्धू 16 फीसदी लोगों की पसंद बनकर तीसरे स्थान पर थे. इसका सीधा सा मतलब निकलता है कि अमरिंदर सिंह के बाद पार्टी में लोकप्रियता के आधार पर सिद्धू अभी भी दूसरे नंबर के ही नेता हैं ।ऐसी हालातो में कैप्टन या सिद्धू की कौन कहे, आगे चल कर तो पंजाब में कांग्रेस का ही भविष्य तय होने वाला है। इन दोनों की रस्सा खिची और भाग दौड़ में कहीं कांग्रेस ही अपना नुकसान न कर बैठे क्युकी आप पार्टी नवजोत सिंह सिद्धू पर व भाजपा कैप्टन अमरिंदर सिंह पर नजर गड़ाए बैठी है।

जनता त्रस्त और नेता मस्त

डॉ.शंकर सुवन सिंह

सरकार/सत्ता में चेहरा बदलता हैं चाल और चरित्र नहीं। सारे नेताओं का चाल और चरित्र सत्ता मिलते ही वैसा ही हो जाता है जैसा पूर्ववर्ती सत्ता पक्ष के लोगों का होता है। नेता जब तक सत्ता में नहीं होता तब तक शालीन होता है। शालीनता, मानवता का प्रतीक है। सत्ता मिलते ही नेता अभिनेता हो जाता है। कहने का तात्पर्य जिस प्रकार अभिनेता, अभिनय करके किसी भी चरित्र का निर्माण करता हैं। उसी प्रकार नेता सत्ता मिलते ही अभिनय की भूमिका में आ जाता है। अभिनय नाटक का एक अंग है। नेताओ को गौर से देंखे और समझें तो आप पाएंगे कि सत्ता पाते ही नेताओं के बोलने का ढंग,चलने का ढंग,बैठने का ढंग,खान-पान का ढंग,लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने का ढंग सब कुछ बेढंगा हो जाता है।

सत्ता मिलते ही सुख सुविधाओं की अति नेताओं की दुर्गति का कारण बनती है। सुख सुविधा उतनी ही होनी चाहिए जितनी आवश्यक हो। किसी भी चीज कि अति दुर्गति का कारण बनती है। ज्यादा खाना खा लीजिये,खाना पचना बंद हो जाता है। उसी तरह नेताओं की ज्यादा सुख सुविधा नेताओं को बेढंगा बनाने में मदद करती है। लोकतंत्रात्मक प्रणाली का जुगाड़ तंत्रात्मक हो जाना आदि अन्य सामाजिक कुरीतियों ने जन्म ले लिया। सत्य अहिंसा विरोधी रथ पर सवार हो सत्ता के चरम शिखर पर पहुंचने वाले सुधारकों की मनोदशा ठीक नहीं है। सुधारकों की प्रवृत्ति ठीक होती तो देश में गरीबों और वंचितों पर जुल्म न होता,आए दिन लोग गरीबी से न मरते,नौकरी न मिलने की वजह से युवा आत्महत्या न करता,और समाज में विषमता न पैदा होती आदि। राजनेता को समाज के लिए मार्गदर्शक की भूमिका में होना चाहिए ना कि अभिनय की भूमिका में। लोकतंत्र में लोगों के मतों के द्वारा ही सत्ता का निर्माण होता है। मकान रूपी सत्ता का निर्माण ईंट रूपी जनता के द्वारा ही होता है। कोई भी मकान बिना ईंट के नहीं बनताद्य मकान की ईंट पर आंच आएगी तो मकान गिरेगा। उसी प्रकार यदि जनता पर आंच आएगी तो सत्ता का गिरना तय है। अभिनय, अभिमान (घमंड) को जन्म देती है। अभिमान अर्थात अभी + मान मतलब अपनी ही चलाना (जनता की न सुनना)। हर एक सत्ता पक्ष का नेता घमंडी है क्योंकि वह अभिमान से घिरा है। उसके पास वह सब कुछ है जो जनता के पास नहीं। अभी हाल ही में मोदी मंत्रीमंडल में बड़ा फेरबदल हुआद्य फेरबदल से सरकार पर अतिरिक्त खर्चे का बोझ आता है। ये अतिरिक्त खर्चा जनता के खून पसीने की गाढ़ी कमाई का हिस्सा होता है। हर एक सत्ता पक्ष यही करता है। चुनाव नजदीक आता है सत्ता पक्ष अपने हर एक नेता को खुश करने के लिए मंत्रीमंडल में शामिल करता है। ऐसे समय में सरकारें जनता को मुर्ख समझती हैं। खुश करना है तो जनता को करो, नेता को नहीं। जनता को समझदारी के साथ चुनाव में निर्णायक भूमिका अदा करनी चाहिए।

जनता कोरोना से मर रही है। यहाँ सरकारें चुनाव में जीतने के लिए अपने नेताओं को सरकारी खजाना लुटाकर खुश कर रही है। सरकारें जनता की चिंता न कर, अपने नेताओं की चिंता कर रहीं हैं। जागो वोटर ! जागो। किसी विशेष राजनैतिक पार्टी को लम्बे समय तक दिया गया लाभ,दूसरे राजनैतिक पार्टी के लोगों को प्रभावित करता है। ये समानता कैसी है ? जो सत्तापक्ष है उसको कुछ भी करने की आजादी और जो विपक्ष में है उसको कुछ न करने की आजादी। ये समानता में दरार पैदा करती है। यही कारण है कि राजनीति बदले की राजनीति हो गई है। जिस प्रकार दूध में पाए जाने वाले माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस और गैर-बीजाणु बनाने वाले अन्य रोग-रोधी सूक्ष्मजीवों को नष्ट करने के लिए समय (15 सेकंड) और तापमान (72 सेंटीग्रेड) आवश्यक है। यदि समय और तापमान बहुत ज्यादा कर दें तो दूध का पोषण खत्म हो जाएगा। कहने का तात्पर्य यह है कि सीमा से ज्यादा समय और तापमान देकर हम दूध में से हानिकारक बैक्टीरिया तो खत्म कर सकते हैं पर दूध की क्वालिटी खराब हो जाती है। उसी प्रकार से सीमा से ज्यादा समय तक सत्ता पक्ष को दी गई सुख सुविधा, सत्ता पक्ष के नेताओं को अपंग और आलसी बना देता है। अतएव सत्ता पक्ष के नेताओं को सुख सुविधा देते समय,समय और परिस्थिति तय होनी चाहिए। कोरोना महामारी के दौर में सरकार को जनता-हित में जनता के सुख के लिए कार्य करना चाहिए। ये क्या हो रहा है मंत्रीमंडल और गवर्नर आए दिन बदले जा रहे हैं। इससे कोरोना न तो खत्म होगा और न ही जनता खुश होगी। ये कैसी सरकार जिसके कार्यकर्ताओं की सुनी नहीं जाती। कार्यकर्ता आए दिन पुलिस और प्रशासन के शोषण का शिकार हो रहे है। किसी भी पार्टी का कार्यकर्ता ही पार्टी को सत्ता का सुख दिलाता है। कार्यकर्ता सरकारी सुख सुविधाओं से वंचित होता है इसलिए ये जनता के सुख दुःख का भागी होता हैं और जनता के करीब होता है। राष्ट्र,राष्ट्र में रहने वाले लोगों से मिलकर बना हैद्य राष्ट्रवाद बिना मानव के संभव नहीं है। अतएव कोरोना महामारी में मानव-जीवन को बचाने की प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी देश में महामारी के समय सत्ता पक्ष के नेताओं की सुख सुविधाएं कम कर देनी चाहिए। जिससे महामारी से लड़ने में खर्चे का वहन हो सके। कोरोना महामारी में हमें देखने को मिला कि ष्जनता त्रस्त है,नेता मस्त हैंष। अतएव हम कह सकते हैं कि इस महामारी में जनता त्रस्त है और नेता मस्त हैं।

७० विधानसभाओं के लिए आप ने यूनिक बिजली गारंटी कार्ड लेकर रवाना किए दस हजार कार्यकर्ता

- २० लाख से ज्यादा घरों तक पहुंचेंगेः आप
- उत्तराखंड पिछले २० सालों से झेल रहा पॉलिटिकल डिजास्टर, अब होगा रोशनः कर्नल कोठियाल
- आप के रजिस्ट्रेशन अभियान में १५ लाख से ज्यादा घरों का लक्ष्य, आप प्रभारी और कर्नल कोठियाल ने ३५० गाड़ियों को किया रवाना

देहरादून(संवाददाता)। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उत्तराखंड के हर घर को ३०० यूनिट फ्री बिजली की गारंटी के बाद आज आम आदमी पार्टी ने देहरादून में एक प्रोग्राम के जरिए प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं को यूनिक बिजली गारंटी कार्ड की ट्रेनिंग दी। जिसमें आप प्रभारी दिनेश मोहनिया, अध्यक्ष एसएस कलेर, वरिष्ट आप नेता कर्नल कोठियाल,सहप्रभारी राजीव चौधरी समेत पूरे प्रदेश से आए कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान आप प्रभारी, अध्यक्ष, कर्नल कोठियाल समेत कई पदाधिकारियों ने हरिद्वार रोड पर लगभग ३५० गाड़ियों को सूबे की ७० विधानसभाओं के लिए रवाना की।

इन गाड़ियों में आप के १०००० कार्यकर्ता, बिजली गारंटी कार्ड समेत कई सामान लेकर अपने अपने विधानसभाओं के लिए रवाना हुए। इस दौरान सड़क पर आप कार्यकर्ताओं की गाड़ियों का काफी लंबा काफिला अरविंद केजरीवाल की बिजली गारंटी अभियान को लेकर पूरे प्रदेश के लिए निकला। आज की प्रेस वार्ता में आप के यूनिक बिजली गारंटी कार्ड को लेकर आप ने अपनी प्लानिंग को मीडिया के साथ शेयर किया। आप प्रभारी ने बताया, आप के बिजली योद्धा अरविंद केजरीवाल की चार गारंटी को आज से पूरे उत्तराखंड में घर घर तक ले जाने का काम करेंगे। आप ने १०००० कार्यकर्ताओं को ये जिम्मेदारी दी है जो २० लाख घरों तक अरविंद केजरीवाल की गारंटी को लेकर जाएंगे। इस अभियान के तहत यूनिक बिजली गारंटी कार्ड का डिजीटली तौर पर रजिस्ट्रेशन होगा जिसके लिए तीन माध्यम से इसका रजिस्ट्रेशन जनता तक पहुंचाया जाएगा।

१. पहले आप के बिजली योद्धा ब्रांडेड वाहनों से घर घर जाकर केजरीवाल के संदेश को पहुंचाएंगे और रजिस्ट्रेशन करेंगे जिसके लिए आज ३५० वाहनों को उत्तराखंड की ७० विधानसभाओं के लिए रवाना किया गया।

२. आप कार्यकर्ता हर विधानसभा में रजिस्ट्रेशन कैंप लगाएंगे और इस कैंप के जरिए बिजली गारंटी योजना में वहां की जनता का रजिस्ट्रेशन करेंगे।

३. इसके अलावा डिजिटल माध्यम के जरिए भी रजिस्ट्रेशन किया जाएगा जिसमें वेबसाइट पर लॉगिन कर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। जिसका लिंक एचटीटीपीः//डब्लूडब्लू. केजरीवालबिजलीगारंटी.इन होगा।

आप प्रभारी दिनेश मोहनिया ने बताया ये रजिस्ट्रेशन १८ जुलाई से ०१ अगस्त तक चलेगा और पूरी तरह डिजिटल होगा जिसमें आप बिजली योद्धा घर घर तक पहुंचेंगे और १५ लाख से ज्यादा परिवारों को जोड़कर, रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा गया है। आप प्रभारी ने बताया इस दौरान आप बिजली योद्धा घरों के पुराने बिलों को भी नोट करेंगे जिसे आप सरकार बनते ही सबसे पहले माफ किया जाएगा। आप प्रभारी ने बताया जिन परिवारों को बिजली बिल गारंटी कार्ड दिया जाएगा उसको एक्टिवेट करने के लिए ७६६९००७६६९ पर मिस काल करना पड़ेगा जिससे यूनिक कोड मिलेगा जिसे संभाल कर रखना पड़ेगा। आप की इस स्कीम का लाभ पाने के लिए रजिस्ट्रेशन के साथ इस कार्ड को संभाल कर रखना पड़ेगा।

ग्रीन व स्वच्छ हरिद्वार बनाने के लिये जागरूकता जरूरीः केके मिश्रा

हरिद्वार(संवाददाता)। ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में अपर जिलाधिकारी कृष्ण कुमार मिश्रा को रेडक्रॉस सचिव डा0 नरेश चौधरी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों द्वारा पौधा भेंट कर पखवाड़े तक चलने वाले विशेष अभियान का शुभारंभ कर किया। इस अभियान के तहत रेडक्रास स्वयं सेवक जन समाज को को जागरूक करेंगे कि हर व्यक्ति को कम से कम दस पौधे रोपित करने हैं और उनका वृक्ष बनने तक देखभाल भी स्वयं करनी है। पौधों को रोपित करने में यह विशेष ध्यान रखा जाएगा कि जहां पौधे लगाये जायेगें, वहां पर भविष्य में उनको उखाडा अथवा काटा न जाये। इसी अभियान के अन्तर्गत अपर जिलाधिकारी कृष्ण कुमार मिश्रा ने ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में रेडक्रास स्वयंसेवकों को संकल्प दिलाया कि ग्रीन हरिद्वार स्वच्छ हरिद्वार बनाने के लिये प्रत्येक नागरिक को जागरूक करना होगा कि जो पौधा उसके द्वारा रोपित किया जाता है उसका रखरखाव व अपने बच्चे के पालन पोषण के समान करें तो वह दिन दूर नहीं जब सम्पूर्ण हरिद्वार हरा भरा दिखेगा। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ हरिद्वार बनाने के लिए हमें अपने घर, घर के आसपास एवं कार्य स्थल की तो सफ सफाई रखनी ही है साथ ही यह भी ध्यान रखना है कि जो कूड़ा करकट हम अपने आस पास से साफ कर रहें हैं उसका निस्तारण निर्धारित उचित स्थान पर ही करें। तभी ग्रीन हरिद्वार स्वच्छ हरिद्वार का सपना सही मायने में साकार हो सकेगा। रेडक्रॉस सचिव डा0 नरेश चौधरी ने कहा कि मानव एवं प्रकृति एक दूसरे के पूरक है और हम परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से प्रकृति पर आश्रित हैं प्रकृति के बिना हमारा अस्तित्व सम्भव नहीं है। प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है। धरती को हरा भरा रखने एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति जनसमाज को जागरूक होकर वातावरण को शुद्ध करने के लिये अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। कार्यक्रम में डा0 नलिन्द, डा0 अमन, डा0 अवधेश, डा0 भावना, डा0 अंजलि, डा0 वैशाली, डा0 मनीष, डा0 स्वपनिल, डा0 उर्मिला पाण्डेय, विकास देशवाल, कमल गुजराल, पूनम, शैलजा, श्रीमती पूनम, पृथा बसु, आराधाना सिंह, अभिषेक गुप्ता, निलाजंना सिंह, अनिरूद्ध नामदेव, तरूण चन्द्रा वैशाली, मेघा कोरी, प्रतीक्षा रावत, श्वेता, दीपक मंडल, दिपांशा, सतेन्द्र सिंह नेगी, संतोष कुमार, विजयपाल, अंकित कुमार, राहुल पाण्डेय आदि ने सक्रिय सहभागिता की।

हिन्दी साप्ताहिक भारत की कलम बना ई-पेपर

भारत की कलम न्यूज पेपर को इंटरनेट पर भी पढ़ सकते हैं।

इंटरनेट पर समाचार पत्र पढ़ने के लिए लोग ऑन करें-

www.bkknews.in

उत्तराखण्ड में समाचारों तथा विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।

सम्पादक- **मनोज कश्यप**

मोबा0-9359184215

विधायक देशराज कर्णवाल के जल्द स्वास्थ्य की ईश्वर से कामना

हरिद्वार(संवाददाता)। विगत सप्ताह मैक्स अस्पताल नई दिल्ली में आंतों की सर्जरी के पश्चात विधायक देशराज कर्णवाल स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी के साथ भाजपा पार्षदों ने नई दिल्ली जाकर विधायक देशराज कर्णवाल को मां गंगाजी का पवित्र जल भेंट कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी ने जब उनकी कुशलक्षेम पूछी तो अस्पताल में भी वह अपने क्षेत्र के विकास के लिए चितिंत दिखे। विधायक देशराज कर्णवाल ने कहा कि उनका विधानसभा क्षेत्र ही उनका परिवार है। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी वैजयन्ती माला जो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर क्षेत्र के विकास में सहयोग देती है को क्षेत्र की समस्याओं की निदान की जिम्मेदारी सौंपी है और उन्हें स्पष्ट मना कर दिया है कि उन्हें मेरी देखभाल के लिए अस्पताल आने की कोई आवश्यकता नहीं है। जब तक मैं पूर्णतया स्वस्थ होकर वापस नहीं आता वह क्षेत्र में ही रहकर क्षेत्रवासियों की सेवा करें। भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि गंभीर रूप से बीमार होने के पश्चात भी अपने क्षेत्र के विकास के प्रति विधायक देशराज कर्णवाल का समर्पण सराहनीय व अनुकरणीय है। तीन दिन पूर्व जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विधायक देशराज कर्णवाल का हालचाल पूछने आये तब मुख्यमंत्री जी ने विधायक देशराज कर्णवाल से पूछा कि किसी प्रकार की कोई आवश्यकता तो नहीं है तो विधायक देशराज कर्णवाल ने अपने क्षेत्र के 29 निर्माण कार्यों की सूची मुख्यमंत्री के आगे रख दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उदारता दिखाते हुए तुरंत 29 निर्माण कार्यों की मंजूरी दे दी। इस अवसर पर व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष सुरेश गुलाटी, शहर अध्यक्ष कमल बृजवासी, शहर महामंत्री प्रदीप कालरा, शहर कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता, दिव्यम यादव, रूपेश शर्मा, सूर्यकान्त शर्मा, संदीप गोस्वामी, विशाल गुप्ता, सचिन शर्मा, विपिन शर्मा ने भी विधायक देशराज कर्णवाल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कांवड मेला नहीं खोला गया तो होगा आंदोलनः संजीव

महामंत्री विशालमूर्ति व उपाध्यक्ष लव, सचिव अक्षत व ओमन बने

हरिद्वार(संवाददाता)। प्रदेश व्यापार मंडल की एक बैठक प्रदेश कार्यालय टिहरी विस्थापित रानीपुर पर आहुत की गयी।

जिसमे युवा प्रदेश पदाधिकारियों युवा प्रदेश महामंत्री विशालमूर्ति भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष लव दत्ता, प्रदेश सचिव अक्षत गर्ग व प्रदेश सचिव ओमान पारीख का सम्मान किया गया। इस मौके पर प्रदेश व्यापार मण्डल ने सरकार से कावड मेला खोलने की मांग करते हुए चेताया कि अगर कांवड मेला नहीं शुरू किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना के चलते व्यापारी टूटा हुआ है पर आज तक सरकार ने व्यापारियों की सुध नहीं ली है और एक बार फिर कावड यात्रा पर रोक लगा कर व्यापारी की आखरी उम्मीद भी तोड़ दी है। कहा कि सरकार तत्काल एक आर्थिक पैकेज जारी कर सीधे सरकार खाते में पैसे डाले, जिससे व्यापारी अपना टूटा हुआ जीवन व व्यापार पटरी पर ला सके। साथ ही कोरोना काल का बिजली पानी का बिल व स्कूल माफ करे। वरना व्यापारी अब आंदोलन का रास्ता अपनाएगा। नवनियुकत प्रदेश महामंत्री विशालमूर्ति भट्ट व प्रदेश उपाध्यक्ष लव दत्त ने संयुक्त रूप से कहा कि पूरे प्रदेश का व्यापारी सड़क पर आ गया है और अब व्यापार की आवाज को जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। युवा व्यापारी अब जाग गया और सरकार से अपना हक माँगने के लिए तैयार है। बैठक में मुख्य रूप से वीर सिंह, विजय धीमान, सदिश सोतरिय, आकाश सैनी, विशाल, सुरेश मखीजा आदि मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक मनोज कश्यप द्वारा भगवती प्रिन्टर्स, इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर भारत की कलम कार्यालय भगवती कॉम्पलेक्स, प्रेमनगर आश्रम के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सम्पादक- **मनोज कश्यप**

मोबा०-9359184215

E-mail :

manoj_kashyap01@yahoo.co.in

सभी विवाद हरिद्वार न्यायालय के अधीन मान्य होंगे।